एक नजर में

नाबालिग छात्रा को मोबाइल पर मैसेज करने और पिता को धमकी देने पर मामला दर्ज

पिपलियामण्डी। नाहरगढ़ थाना क्षेत्र में एक नाबालिग छात्रा को मोबाइल पर परेशान करने एवं उसके पिता को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला पंजीबद्ध कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी, निवासी खजुरीमांडा ने थाने में उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि उनकी पुत्री नाहरगढ़ स्थित कन्या शाला में कक्षा 11 वीं की छात्रा है। फरियादी के अनुसार करीब दो माह पूर्व आरोपी लवकुश सिंह परिहार एवं सतपाल सिंह सोनगरा, निवासी कोटडीमांडा, उनकी पुत्री को मोबाइल पर मैसेज कर परेशान कर रहे थे। उस समय समझाइश देने पर उन्होंने कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई थी। दिनांक 01 अप्रैल 2026 को शाम लगभग 4 बजे दोनों आरोपी उनके घर के पास घूमते नजर आए। इस पर जब फरियादी ने उन्हें वहां आने से रोका, तो आरोपियों ने अश्लील गालियां दीं और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने दोनो आरोपियो के खिलाफ मामला पंजीबद्ध कर लिया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से वृद्ध दंपती की दर्दनाक मौत, उदयपुर ले जाते समय रास्ते में तोड़ा दम

पिपलियामण्डी। क्षेत्र में गुरुवार शाम एक हृदय विदारक सड़क हादसा हो गया। तुर्किया से दोरवाड़ा मार्ग पर हुए इस हादसे में एक वृद्ध दंपत्ति की दर्दनाक मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार बाबूलाल वाथरा (72) एवं उनकी पत्नी जमनाबाई वाथरा (70) बाइक से अपने खेत (कुएं) से घर लौट रहे थे। इसी दौरान शाम करीब 5:30 बजे अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों पति-पत्नी सड़क पर गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल दोनों को प्राथमिक उपचार के लिए मन्दसौर जिला चिकित्सालय पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने दोनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें उदयपुर रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि दोनों को एम्बुलेंस के माध्यम से उदयपुर ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही दोनों की हालत लगातार बिगड़ती गई और उदयपुर पहुंचने से पहले ही दोनों ने दम तोड़ दिया। इस दर्दनाक घटना की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक दंपति जनपद सदस्य प्रकाश राठौर के काका-काकी थे। शुक्रवार को मृतक दंपति की अंतिम यात्रा उनके निवास तुर्किया से निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण, रिश्तेदार एवं समाजजन शामिल हुए। श्मशान घाट पर पुत्र ओमप्रकाश ने मुखाग्नि दी। नारायणगढ़ पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शामगढ़ पुलिस को बड़ी सफलता, एमडी ड्रग्स फैक्ट्री का मुख्य आरोपी सहित तीन गिरफ्तार

मंदसौर। शामगढ़ थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एमडी ड्रग्स फैक्ट्री मामले के मुख्य आरोपी सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 1 किलो 245 ग्राम अवैध अफीम (कीमत लगभग 2.49 लाख रुपये) जप्त की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 2 अप्रैल को मुखबिर से सूचना मिली थी कि तीन व्यक्ति रेलवे ग्राउंड शामगढ़ के पास अफीम लेकर ट्रेन के जरिए दिल्ली-पंजाब जाने की फिराक में हैं। सूचना पर थाना प्रभारी उप निरीक्षक कपिल सौराष्ट्रीय के नेतृत्व में टीम ने घेराबंदी कर प्रधान सिंह, भगवान सिंह उर्फ बबलू और दिलीप सिंह को मौके से गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपी प्रधान सिंह ग्राम सुरजना में पकड़ी गई एमडी ड्रग्स फैक्ट्री का प्रमुख आरोपी है, जो लंबे समय से फरार चल रहा था। उसी के द्वारा सप्लाई किए गए केमिकल से फैक्ट्री में 12 किलो 610 ग्राम मिश्रण व 102 ग्राम एमडी तैयार की गई थी।

दीक्षांजलि समारोह में गूंजी हनुमान चालीसा की चौपाइयां...

मंदसौर। सरस्वती विद्या मंदिर सीबीएसई, संजीत मार्ग में कक्षा 12वीं के भैया-बहनों का दीक्षांजलि समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत में भैया-बहनों को विशेष रूप से बालाजी मंदिर ले जाया गया, जहाँ सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ, गौ सेवा एवं पक्षियों हेतु जल-पात्र रखने जैसे सेवा कार्य किए गए।

इसके पश्चात विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में भैया-बहनों के लिए रोचक गतिविधियां एवं मनोरंजक आयोजन किए गए, जिनमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। साथ ही, विद्यालय में बिताए गए उनके स्मरणीय पलों को एक भावनात्मक प्रस्तुति के माध्यम से साझा किया गया, जिसने सभी को भावुक कर दिया।

सम्राट यशोधर्मन सभागृह में आयोजित औपचारिक कार्यक्रम मंचासिन मुख्य अतिथि शिवांशु मालवीय (थाना प्रभारी, यशोधर्मन थाना मंदसौर) एवं अध्यक्ष के रूप में राजदीप परवाल (कोषाध्यक्ष, भारतीय आदर्श शिक्षण समिति), अशोक पारिख (सचिव, भारतीय आदर्श शिक्षण समिति), डॉ सरोज प्रसाद (प्राचार्य, सरस्वती विद्या मंदिर सीबीएसई) उपस्थित रहे। इस अवसर पर भैया-बहिनों को विद्यालय से प्राप्त संस्कारों को जीवन में अपनाने हेतु प्रेरित किया गया एवं शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए सभी भैया-बहिनों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए।

इस अवसर पर सरस्वती विद्या मंदिर सीबीएसई के प्रधानाचार्य प्रवीण मिश्रा, सैनिक विद्यालय के प्राचार्य अविनाश चतुर्वेदी, बीएड कॉलेज की प्राचार्य श्रीमती योगीता सोमानी, छात्रावास अधीक्षक कमल किशोर गोठी, एमपी बोर्ड विद्यालय के प्राचार्य महेश वपता, उपप्राचार्य लक्ष्मी राठौड़, आचार्य परिवार और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पुराने गीतों की यादें हुईं ताजा

मंदसौर। शहर की सांस्कृतिक संस्था 'दशपुर रंगमंच' के तत्वावधान में एक भव्य संगीत संध्या का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों ने एक से बढ़कर एक सदाबहार गीतों की प्रस्तुतियां देकर मंत्रमुग्ध कर दिया। संगीत की इस शाम का आगाज सतीश सोनी ने बेहद भावुक और लोकप्रिय गीत 'एक प्यार का नगमा है' से किया, जिसने कार्यक्रम की शुरुआत में ही दिलों को छू लिया।

कार्यक्रम की कड़ी को आगे बढ़ाते हुए आबिद शाह ने अपनी सुरीली आवाज में 'कोई नजराना लेकर आया हूं मैं दीवाना तेरे लिए' पेश किया, वहीं अभय मेहता ने क्लासिक गीत 'चौदहवीं का चाँद हो या आफ़ताब हो' गाकर माहौल को रूमानी बना दिया। स्वाति रिछावरा ने 'जहां पर बसेरा हो सवेरा वहीं हो' गाकर अपनी गायकी का लोहा मनवाया। युवा गायक दिव्यांश वर्मा ने 'तेरे मेरे मिलन की ये रैना नया कोई गुल खिलाएगी' के माध्यम से पुरानी यादें ताजा कीं।

संगीत का यह सिलसिला यहीं नहीं थमा। लोकेंद्र पाण्डे ने 'सागर किनारे दिल ये पुकारे' गाकर समुद्र की लहरों सा सुकून श्रोताओं तक पहुँचाया, तो हिमांशु वर्मा ने 'प्यार में होता है क्या ये जादू' जैसे ऊर्जावान गीत से सबका मनोरंजन किया। कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण डॉ. नीलेश नगाइच की प्रस्तुति रही, जिन्होंने फिल्म मेरा नाम जोकर का कालजयी गीत 'जीना यहाँ मरना यहाँ, इसके सिवा जाना कहाँ' गाकर उपस्थित जनसमूह की खूब तालियां बटोरीं।

कार्यक्रम का संचालन कर रहे अभय मेहता ने अपने संबोधन में कहा कि दशपुर रंगमंच निरंतर नई प्रतिभाओं को मंच प्रदान कर रहा है और खुशी की बात है कि कई नए कलाकार अपनी कला के माध्यम से समाज के सामने आ रहे हैं। इस अवसर पर कार्यक्रम में दशपुर रंगमंच के संचालक अभय मेहता का जन्मदिन भी मनाया गया। सभी उपस्थित सदस्यों और कलाकारों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं।

दिगंबर जैन आर्यिका संघ का मंदसौर में मंगल प्रवेश कल

मंदसौर। दिगंबर जैन आर्यिका 105 श्री समर्थ श्री माताजी एवं 105 श्री सार्थक श्री माताजी का ससंघ दिनांक 5 अप्रैल 2026 को मंदसौर नगर में मंगल प्रवेश होने जा रहा है। उल्लेखनीय है कि आर्यिका द्वय की कर्मभूमि और जन्मभूमि मंदसौर ही है। आप दिगंबर जैन समाज के समाजसेवी स्व. डॉ. अजित कुमार जैन के परिवार की सांसारिक जीवन में सदस्य रही हैं। गणाचार्य विराग सागर महाराज से दिनांक 25 अक्टूबर 2015 को अजमेर में दीक्षा ग्रहण करने के 11 वर्षों बाद आर्यिका द्वय का प्रथम आगमन अपने गृहनगर में हो रहा है।

डॉ. एस.एम. जैन ने बताया कि दीक्षा के पश्चात आर्यिका द्वय ने सलुम्बर, उदयपुर, ईडर, विजयनगर, हिम्मतनगर, अहमदाबाद, महुआ पार्श्वनाथ, इचलकरंजी एवं रतलाम में चातुर्मास कर धर्म प्रभावना की है। आपने मालवांचल के उन गांवों में भी विहार कर दिगंबर जैन सिद्धांतों के प्रति जागरण की अलख जगाई है, जहाँ अभी तक दिगंबर जैन संतों का सानिध्य प्राप्त नहीं हुआ था।

आर्यिका द्वय के ससंघ मंगल प्रवेश के प्रति स्थानीय दिगंबर जैन समाज में हर्ष और उत्साह का वातावरण है। दिगंबर जैन समाज के पदाधिकारियों ने दिनांक 5 अप्रैल 2026 को प्रात: 8.30 बजे नूतन स्कूल मेन गेट के यहां एकत्रित होकर आर्यिका द्वय की भव्य अगवानी करने की अपील की है।

एक नजर — स्मृति नागरिक सहकारी बैंक का शानदार प्रदर्शन

शुद्ध एनपीए शून्य प्रतिशत, व्यवसाय 1280 करोड़ पार

मंदसौर। स्मृति नागरिक सहकारी बैंक ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के उत्कृष्ट परिणाम घोषित करते हुए बैंकिंग क्षेत्र में अपनी मजबूत स्थिति का प्रदर्शन किया है। बैंक का शुद्ध एनपीए (ह्क्क) शून्य प्रतिशत रहा, जो वर्तमान बैंकिंग परिदृश्य में एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। साथ ही बैंक के कुल व्यवसाय में 14 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए यह आंकड़ा 1280 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील पंजवानी ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2025-26 में बैंक की जमा राशि में 106 करोड़ रुपये तथा अग्रिम (ऋण) में 53 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। 31 मार्च 2025 को बैंक की जमा राशि 669.45 करोड़ रुपये थी, जो बढ़कर 31 मार्च 2026 को 775.26 करोड़ रुपये हो गई। वहीं अग्रिम राशि 451.80 करोड़ रुपये से बढ़कर 504.80 करोड़ रुपये पहुंच गई। उन्होंने बताया कि जहां अन्य बैंक एनपीए की समस्या से जूझ रहे हैं, वहीं स्मृति बैंक ने अपने शुद्ध एनपीए को शून्य प्रतिशत पर बनाए रखते हुए खुद को अग्रणी बैंकों की श्रेणी में स्थापित किया है।

बैंक के संस्थापक एवं मार्गदर्शक नरेन्द्र नाहटा ने बताया कि स्मृति बैंक मध्यप्रदेश का एकमात्र सहकारी बैंक है जिसने लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में अपना विशेष स्थान बनाया है। वर्ष 2025-26 में बैंक को भोपाल में आयोजित एक गरिमामयी कार्यक्रम में सहकारिता विभाग द्वारा 'प्रदेश के सर्वश्रेष्ठ बैंक' के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

उन्होंने बताया कि बैंक ने इस वर्ष 160 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्यवसाय करते हुए कुल व्यवसाय को 1280 करोड़ रुपये तक पहुंचाया, जिसमें 775 करोड़ रुपये का डिपॉजिट शामिल है। उन्होंने कहा कि बैंक को शेड्यूल्ड बैंक का दर्जा प्राप्त करने के लिए 1000 करोड़ रुपये के डिपॉजिट का लक्ष्य रखा गया है।

बैंक प्रबंधन का उद्देश्य स्मृति बैंक को मल्टी स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक के रूप में विकसित करना और आगे चलकर शेड्यूल्ड बैंक बनाना है, ताकि ग्राहकों को इंटरनेट बैंकिंग सहित सभी आधुनिक बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। साथ ही 1 अप्रैल 2026 से ऋण प्रकरणों का अधिकतम 10 दिनों में निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

बैंक द्वारा ग्रामीण और अर्द्ध शहरी क्षेत्रों में विस्तार के लिए 50 व्यवसायिक संवाददाता (बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट) और व्यापार सहायक (बिजनेस फैसिलिटेटर) की नियुक्ति की जाएगी। ये प्रतिनिधि खाता खोलने, जमा संग्रह, नकद भुगतान, राशि अंतरण, केवाईसी एवं विभिन्न ऋण प्रकरणों को आगे बढ़ाने जैसे कार्य करेंगे।

भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुरूप स्मृति बैंक नई शाखाएं खोलने के सभी मानदंडों को पूरा कर चुका है। इसी क्रम में वर्ष 2026-27 में इंदौर और रतलाम में दो नई शाखाएं खोली जाएंगी। इसके साथ ही बैंक की शाखाओं की संख्या 14 से बढ़कर 16 हो जाएगी। भविष्य में 3 और शाखाएं खोलने की योजना भी तैयार की जा रही है।

नीमच

एक नजर में

5 अप्रैल से आमजन के लिए प्रारंभ होगा स्विमिंग पुल

नीमच। नगर पालिका नीमच का स्विमिंग पूल 5 अप्रैल से आमजन के लिए प्रारंभ हो जाएगा। स्विमिंग पूल प्रारंभ करने के लिए पुल की साफ-सफाई व अन्य तैयारियां अंतिम चरण में चल रही है। स्विमिंग पूल में प्रवेश की व्यवस्था परिषद संकल्प अनुसार गत् वर्ष की तरह मासिक पासधारियों के लिए ही रहेगी। मासिक पास का शुल्क एक माह का 1000 रू. रहेगा। कोई भी व्यक्ति मासिक पास बनवाकर स्विमिंग पूल में तैराकी कर सकेगा। उपरोक्त जानकारी देते हुए स्विमिंग पूल प्रभारी उपयंत्री श्री अरविंद सिंह ने बताया कि स्विमिंग पूल में प्रतिदिन महिलाओं के लिए प्रात: 6 से 7 एवं पुरुषों के लिए प्रात: 7 से 8, 8 से 9 से एवं 9 से 10 तथा इसी प्रकार दोपहर में पुरुषों के लिए 4 से 5 एवं 5 से 6 तथा महिलाओं के लिए सायंकाल 6 से 7 बजे का समय निर्धारित किया गया है। सोमवार को स्विमिंग पूल का रखरखाव का दिन होने से अवकाश रहेगा। स्विमिंग पूल प्रभारी ने बताया कि तैराकी के इच्छुक महिला-पुरुषों को मासिक पास का फॉर्म भरने के साथ ही शपथ पत्र भी देना होगा कि उसके द्वारा स्विमिंग पूल के सभी नियमों का पालन किया जाएगा और तैराकी के समय किसी भी प्रकार की दुर्घटना होती है तो दुर्घटना की जवाबदारी उसकी स्वयं की होगी। स्विमिंग पूल प्रभारी ने बताया कि नपा अध्यक्ष श्रीमती स्वाति-गौरव चोपड़ा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती दुर्गा बामनिया, जलकल सभापति श्रीमती छाया जायसवाल की उपस्थिति में हुई बैठक में आगामी समय में स्विमिंग पूल का रिनोवेशन कराने तथा स्विमिंग पूल की गहराई जो वर्तमान में पूर्व के मानक अनुसार 18 फिट होकर वर्तमान मानक अनुसार अत्यधिक ज्यादा होने से पुल की गहराई वर्तमान मानक अनुसार कम करवाने का कार्य प्रारंभ करवाने का भी निर्णय लिया गया। स्विमिंग पूल प्रभारी ने बताया कि मासिक पास बनवाने के लिए स्विमिंग पूल पर आवेदन उपलब्ध कराने की कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। तैराकी के इच्छुक महिला-पुरुष स्विमिंग पूल से आवेदन प्राप्त कर आवेदन के साथ आधार कार्ड, दो पासपोर्ट साइज फोटो तथा 1000 रू. का शुल्क जमा करवाकर अपना पास बनवा सकते हैं।

चौकन्ना बालाजी मंदिर पर हनुमान जन्मोत्सव के साथ महाआरती

नीमच। श्री चौकन्ना बालाजी मंदिर पर प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी श्री हनुमान जन्मोत्सव गुरूवार 02 अप्रेल 2026 को बड़ी धुमधाम के साथ मनाया गया। श्री चौकन्ना बालाजी महंत एवं समिति अध्यक्ष योगीराज रंजन स्वामी ने बताया कि प्रात: की महाआरती नीमच के लोकप्रिय विधायक श्री दिलीपसिंह परिहार द्वारा की गई उसके पश्चात शाम की आरती रंजन स्वामी द्वारा की गई। साथ ही में समिति सदस्यों एवं श्रद्धालु भक्तों के द्वारा भी पूजा अर्चना कर बालाजी का आर्शीवाद लिया गया। श्रद्धालु भक्तों के लिये महाप्रसादी का आयोजन किया गया जो कि देररात तक चलता रहा। इस अवसर पर मंदिर परिसर में आकर्षक रंगबिरगी बल्ब के साथ विद्युत साज सज्जा की गई है गुरूवार को मंदिर में बालाजी के अखण्ड पाठ, भजन कीर्तन एवं सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने बालाजी के दर्शन लाभ ग्रहण किये। इस अवसर पर समिति सदस्यों एवं लोकेन्द्र वर्मा, श्याम शर्मा, जगदीश शर्मा, केशरसिंह, दिनेश, रविन्द्रसिंह, कृष्ण कनोजिया सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त उपस्थित थे।

शिक्षकों की हुंकार, टीईटी अनिवार्यता के खिलाफ प्रदर्शन 8 को

नीमच। जिले में शिक्षकों से जुड़े अहम मुद्दों को लेकर शुक्रवार को गांधी वाटिका में अध्यापक/शिक्षक संयुक्त मोर्चा की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिलेभर के विभिन्न शिक्षक संगठनों के जिला अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और शिक्षकों से जुड़े ज्वलंत मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक का मुख्य केंद्र हाल ही में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को लेकर आए निर्णय पर रहा।

वक्ताओं ने बताया कि सितंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के अनुसार अब उन शिक्षकों के लिए भी टीईटी परीक्षा अनिवार्य कर दी गई है, जिन्होंने पूर्व में यह परीक्षा उत्तीर्ण नहीं की थी। इस फैसले से विशेष रूप से उन शिक्षकों में चिंता और असंतोष का माहौल है, जिनकी नियुक्ति वर्ष 1998, 2001 आदि में उस समय के प्रचलित नियमों के तहत विधिवत रूप से की गई थी। बैठक में यह मुद्दा भी जोर-शोर से उठाया गया कि सामान्यत: कोई भी नया कानून या नियम भविष्य में लागू होता है, लेकिन वर्तमान निर्णय में शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 (आरटीई) का हवाला देते हुए पूर्व से कार्यरत शिक्षकों को भी इसके दायरे में शामिल किया जा रहा है, जो न्याय के स्थापित सिद्धांतों के विपरीत माना जा रहा है। शिक्षकों ने इसे अपने अधिकारों के साथ अन्याय बताते हुए शासन-प्रशासन का ध्यान इस ओर आकर्षित करने की आवश्यकता जताई।

बैठक के दौरान सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि प्रदेश स्तर के संयुक्त मोर्चा के निर्देशानुसार 8 अप्रैल 2026 को जिला मुख्यालय पर सामूहिक धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। इस आंदोलन के माध्यम से शिक्षक अपनी मांगों को मजबूती से उठाएंगे और सरकार तक अपनी आवाज पहुंचाएंगे। धरना प्रदर्शन के बाद प्रतिनिधिमंडल द्वारा नीमच विधायक दिलीप सिंह परिहार को ज्ञापन सौंपा जाएगा। ज्ञापन में प्रमुख रूप से टीईटी परीक्षा को अनिवार्य करने के निर्णय का विरोध, नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता लागू करने की मांग तथा पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को पुन: बहाल करने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को शामिल किया जाएगा। बैठक की जानकारी संयुक्त मोर्चा के जिला संयोजक मनीष पुरोहित ने देते हुए बताया कि शिक्षक वर्ग अपनी मांगों को लेकर एकजुट है और आवश्यकता पड़ने पर आगे भी बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा।

बच्ची से छेड़छाड़, स्वर्णकार समाज की एसपी ऑफिस में नारेबाजी

- नीमच में आरोपी अब्दुल रहमान के घर पर बुलडोजर चलाने की मांग

नीमच। जिले के मनासा थाना क्षेत्र में 13 साल की बच्ची के साथ हुई छेड़छाड़ के विरोध में लोगों ने आवेदन सौंपा। शुक्रवार शाम को स्वर्णकार समाज के सैकड़ों लोग इकट्ठा होकर पुलिस अधीक्षक दफ्तर पहुंचे और प्रशासन के खिलाफ अपनी नाराजगी जाहिर की।

समाज के लोगों ने एडिशनल एसपी नवल सिंह सिसोदिया को ज्ञापन सौंपा और मांग की कि आरोपी अब्दुल रहमान के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत सजा तय की जाए। इसके साथ ही प्रदर्शनकारियों ने आरोपी की संपत्ति पर बुलडोजर चलाने की मांग भी उठाई।

घर में अकेला पाकर आरोपी ने की हरकत-ज्ञापन में बताया गया कि जिस वक्त यह घटना हुई, बच्ची घर पर अकेली थी क्योंकि उसके माता-पिता एक धार्मिक कार्यक्रम में गए थे। पड़ोस में रहने वाले अब्दुल रहमान ने इस बात का फायदा उठाया और बच्ची को बहला-फुसलाकर अपने घर बुला लिया, जहां उसके साथ गलत काम किया गया।

लालच और धमकी देकर बच्ची को डराया

आरोपी ने बच्ची को चुप रहने के लिए 50 रुपए का लालच दिया और मुंह खोलने पर बुरा अंजाम भुगतने की धमकी भी दी। रात को जब माता-पिता घर लौटे, तो बच्ची ने रोते हुए सारी सच्चाई बताई।

निर्दोषों की रिहाई और निष्पक्ष जांच की मांग

समाज के लोगों ने पुलिस से मांग की है कि इस मामले में जिन बेगुनाह लोगों को हिरासत में लिया गया है, उन्हें तुरंत छोड़ा जाए। एडिशनल एसपी नवल सिंह सिसोदिया ने भरोसा दिलाया है कि पूरी जांच निष्पक्ष होगी और कानून के हिसाब से सख्त कदम उठाए जाएंगे।

एक नजर — बिना लेंस 18 घंटे में उकेरी 84 पंक्तियां, बोले-ये दुनिया का पहला मामला

नीमच के आर्टिस्ट ने तुलसी पत्तों पर लिखी हनुमान चालीसा

नीमच। जिले के कुछड़ोद गांव के सूक्ष्म कलाकार राहुल देव लोहार ने गोस्वामी तुलसीदास रचित पूरी हनुमान चालीसा को असली तुलसी के 14 पत्तों पर उकेरा है। कलाकार का दावा है कि तुलसी के पत्तों पर पूरी चालीसा लिखने का यह दुनिया का पहला मामला है।

राहुल ने इन 14 पत्तों पर चालीसा की सभी 84 पंक्तियां लिखी हैं। इस कार्य में उन्हें 15 से 18 घंटे का समय लगा। उन्होंने इतने सूक्ष्म अक्षर लिखने के लिए किसी लेंस या

आधुनिक उपकरण का उपयोग नहीं किया। पूरी चालीसा को एक बाल वाले बारीक ब्रश से उकेरा गया है। कलाकृति की शुद्धता बनाए रखने के लिए पत्तों पर पहले चंदन का लेप लगाया गया। लिखने के लिए दीपक

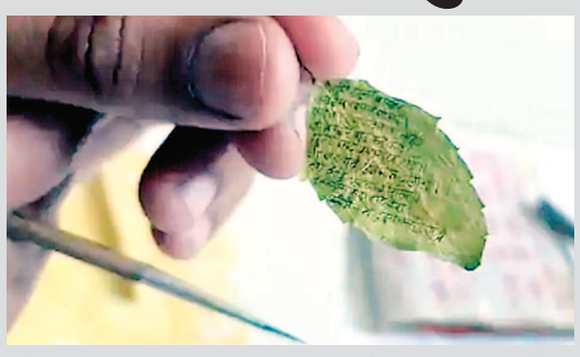

की प्राकृतिक कालिख (काजल) और गोंद के मिश्रण का इस्तेमाल किया गया।

सुरक्षित रखने के लिए जिलेटिन से किया कवर-राहुल ने बताया कि हनुमान चालीसा के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास जी हैं, इसलिए उनके मन में इस पावन चालीसा को उन्हीं के नाम से जुड़े 'तुलसी' के पत्तों पर जीवंत करने का विचार आया। इस अनूठी कृति को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए जिलेटिन से कवर किया गया है। राहुल देव लोहार का दावा है कि अब तक किसी ने भी असली तुलसी के पत्तों पर इतनी सूक्ष्मता से संपूर्ण चालीसा नहीं लिखी है। उनकी इस उपलब्धि से न केवल नीमच बल्कि पूरे प्रदेश के कलाकार गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।